‘Valley of Words’ अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य और कला उत्सव में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(12 नवम्बर 2022)

जय हिन्द!

इस उद्घाटन सत्र में उपस्थित सम्मानित कवि, लेखक, प्रकाशक, आयोजक और प्रतिभागी महानुभावों!

‘अंतर्राष्ट्रीय साहित्य और कला उत्सव’ के आयोजन में आप सब के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

‘Valley of Words’ की इस सतरंगी घाटी को सजाने के लिए और इसे निहारने के लिए आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ।

मुझे बहुत खुशी है कि यह उत्सव हर बार एक नये कलेवर के साथ प्रस्तुत हो रहा है।

इस वर्ष उत्सव में प्रकाशकों को सहभागी बनाना, पुस्तक मेले का रूप देना, हर रूचि के युवाओं को उपयोगी चर्चा सत्र और साहित्य उपलब्ध कराना

आपकी दूरदर्शिता, रचनात्मकता और नवाचार को दिखाता है।

हमारे बच्चों, युवाओं और वयस्कों के लिए साहित्य और कला का रचात्मक वातावरण तैयार करना बहुत सराहनीय है।

प्रदर्शनी और प्रकाशाकों की बेहतर पुस्तकें हर अध्येता को आकर्षक करने वाली हैं।

यह साहित्य और कला उत्सव समकालीन भारतीय राजनीति, और साहित्य के विविध रंग प्रदर्शित कर रहा है।

हमारे देश में हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और हर भाषा की एक समृद्ध परंपरा है। एक विरासत है। एक संजीदगी है। रचनात्मकता हैं। विविधताओं से पूर्ण हमारे देश की भाषाएं और बोलियां साहित्य की गंगोत्री हैं।

हमारा साहित्य हमारी समृद्धि का प्रमाण है, हमारा साहित्य हमारी जीवन्त धरोहर है। हमारा साहित्य हमारे राष्ट्र, समाज और चिंतन का प्रतिविम्ब है।

दुनिया का पहला लिखित साहित्य हमारे देश का ही है। दुनिया की पहली कविता रामयाण महाकाव्य भी हमारे देश में ही गायी गयी है।

हमने दुनिया को राह दिखायी है।

हमारी विविध भाषाएं और उनमें निहित साहित्य हमारे समाज के चिंतन को प्रकट करता रहता है।

आज के समय में हमारे बच्चों और युवाओं को साहित्य के प्रति सजग और सक्रिय रखना हम सब की जिम्मेदारी है।

साहित्य के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय विरासत, इतिहास, धरोहर और राष्ट्रहित का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जाना बहुत जरूरी है।

मुझे बहुत खुशी है कि यह उत्सव उसी दिशा में सकारात्मक विचार प्रवाह प्रस्तुत कर रहा है।

केरल के सम्मानित राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जी से संवाद इस उत्सव को एक उमंग और एक नजरिया देने वाला है।

हमारी साहित्य परंपरा प्राचीन समय से प्रवाहित हो रही है। इस परंपरा को आप सब आगे बढ़ा रहे हैं

हमारे साहित्य को समृद्ध बना रहे हैं, ऐसे युगधर्मी रचनाकरों को मैं दिल की गहराईयों से बधाई देता हूँ, शुभकामनाएं देता हूँ।

कवि सम्मेलन, मुशायरा, कविता कैफे हमारे साहित्य की विविध विधाओं का साहित्यिक अनुभूति के लिए प्रेरक तत्व हैं।

'Valley of Words' याने 'शब्दों की घाटी' अंतर्राष्ट्रीय साहित्य और कला उत्सव की यह जैव विविधताओं से सम्पन्न Valley of Flowers' की तरह सतरंगी है।

सैन्य सेवाओं और सिविल सेवाओं की तैयारी वाले नौजवानों के लिए आपने आयोजन में विशेष सत्र रखे हैं मैं आपकी इस नवाचार की सराहना करता हूँ।

आइडियाज ऑफ इंडिया, द लीजेंड ऑफ दून के साथ–साथ भारत की आंतरिक सीमाओं के निर्माण और पुनर्निर्माण पर सत्र शामिल किये हैं, जो बहुत ही प्रसंशा के योग्य हैं।

साहित्य और कला हमारे इतिहास, राजनीति, लोक प्रशासन और भूगोल के प्रति एक रुचि और एक दृष्टिकोण विकसित करने वाला बने।

हिंदी के उत्साही सम्मानित कवि, लेखक समुदाय, प्रकाशक और सम्मानित प्रतिभागियों का मैं आह्वान करता हूं आप अपने साहित्य से भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करते हुए राष्ट्र की समृद्धि के लिए योगदान करें। अपनी कलम से दासता की मानसिकता को मुक्ति दें। आप ऐसे यशस्वी ओजस्वी कवि और साहित्यकारों, समाज को एक दिशा देने वाले नौजवानों को एक बार फिर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

उत्सव के निदेशक संजीव चोपड़ा जी को और उनकी पूरी टीम को इस उत्सव को सुन्दर बनाने के लिए सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!